12/11/16 आज यह पत्रा. प्रेम जोत अदालत में किस्त की वसूलीमें
नहीं दी गई थी डिक्री की धारणा में अपनाम दर्ज करने का
है इसलिए अतः पत्रा. प्रेमचन्द कुमार की जाती है पत्रा. नजर है कार्यालय
अदालत में वापिस दाखल की जावे।